राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | वर्ष 2024, शुक्ल पक्ष (वैशाख) विक्रम संवत - 2081, मई

सेवा के धाम - विष्णु कुमार जी

सेवा पथ के साधक श्री विष्णु जी का जन्म कर्नाटक में बंगलौर के पास अक्कीरामपुर नगर में पांच मई, 1933 को हुआ। छह भाई और एक बहिन वाले परिवार में वे सबसे छोटे थे। घर में सेवा व अध्यात्म का वातावरण होने के कारण छह में से दो भाई संघ के प्रचारक बने, जबकि दो रामकृष्ण मिशन के संन्यासी।

विष्णु जी का मन बचपन से ही निर्धनों के प्रति बहुत संवेदनशील था। छात्रावास में पढ़ते समय घर से मिले धन और वस्त्रों को वे निर्धनों में बांट देते थे। शुगर तकनीक में इंजीनियर बनकर वे नौकरी के लिए कानुपर आये। यहां उनका संपर्क संघ से हुआ और फिर यही उनके जीवन का लक्ष्य बन गया।प्रचारक के रूप में वे अलीगढ़, मेरठ, पीलीभीत, लखीमपुर, काशी, कानुपर आदि स्थानों पर रहे। हिन्दी न जानने से उन्हें प्रारम्भ में कुछ कठिनाई भी हुई। पश्चिम उत्तर प्रदेश में श्रावण मास में बनने वाली मिठाई 'घेवर' को 'गोबर' कहना जैसे अनेक रोचक संस्मरण उनके बारे में प्रचलित हैं। आपातकाल में कानपुर में उन्होंने 'मास्टर जी' के नाम से काम किया। बाद में स्वयंसेवकों पर चल रहे मुकदमों को समाप्त कराने में भी उन्होंने काफी भागदौड़ की। 1978 में उन्हें दिल्ली में प्रौढ़ शाखाओं का काम दिया गया। इसी वर्ष सरसंघचालक श्री बालासाहब देवरस ने स्वयंसेवकों को निर्धन बस्तियों में काम करने का आह्वान किया। विष्णु जी ने इसे चुनौती मानकर ऐसे स्वयंसेवक तैयार किये, जो इन बस्तियों में पढ़ा सकें। काम बढ़ने पर इसे 'सेवा भारती' नाम देकर फिर इसका संविधान भी तैयार किया। 14 अक्तूबर, 1979 को श्री बालासाहब देवरस ने विधिवत इसका उद्घाटन किया। 1989 में संघ संस्थापक पूज्य डा. हेडगेवार की जन्मषती के बाद सेवा भारती के काम को पूरे देष में विधिवत प्रारम्भ किया गया। इसके लिए दिल्ली का काम ही नमूना बना।विष्णु जी काम यद्यपि दिल्ली में करते थे; पर उनके सामने पूरे देश की कल्पना थी। उनकी इच्छा थी कि दिल्ली में एक ऐसा स्थान बने, जहां देश भर के निर्धन छात्र पढ़ सकें। सौभाग्य से उन्हें मंडोली ग्राम में पांच एकड़ भूमि दान में मिल गयी। इस पर भवन बनाना आसान नहीं था; पर धुन के पक्के विष्णु जी ने इसे भी पूरा कर दिखाया। वे धनवानों से आग्रहपूर्वक धन लेते थे। यदि कोई नहीं देता, तो कहते थे कि शायद मैं अपनी बात ठीक से समझा नहीं पाया, मैं फिर आऊंगा। इस प्रकार उन्होंने करोड़ों रुपये एकत्र कर 'सेवा धाम' बना दिया। आज वहां के सैकड़ों बच्चे उच्च शिक्षा पाकर देश-विदेश में बहुत अच्छे स्थानों पर काम कर रहे हैं।विष्णु जी के प्रयास से देखते ही देखते दिल्ली की सैकड़ों बस्तियों में संस्कार केन्द्र, चिकित्सा केन्द्र, सिलाई प्रशिक्षण आदि शुरू हो गये। यहां उन्हें बाबा, काका, भैया आदि नामों से आदर मिलता था। 'सेवा भारती' का काम देखकर कांग्रेस शासन ने उसे 50,000 रु. का पुरस्कार दिया। जब कुछ कांग्रेसियों ने इन प्रकल्पों का विरोध किया, तो बस्ती वाले उनके ही पीछे पड़ गये। विष्णु जी अनाथ और अवैध बच्चों के केन्द्र **'मातृछाया'** तथा **'वनवासी कन्या छात्रावास'** पर बहुत जोर देते थे। 1995 में उन्हें मध्य प्रदेश भेजा गया। यहां भी उन्होंने सैकड़ों प्रकल्प प्रारम्भ किये। इस भागदौड़ के कारण 2005 में उन्हें भीषण हृदयाघात हुआ; पर प्रबल इच्छाशक्ति के बलपर वे फिर काम में लग गये। इसके बाद हैपिटाइटस बी जैसे भीषण रोग ने उन्हें जर्जर कर दिया। इलाज के लिए उन्हें दिल्ली लाया गया, जहां 25 मई, 2009 को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी स्मृति में म0प्र0 शासन ने सेवा कार्य के लिए एक लाख रुपये के तीन तथा भोपाल नगर निगम ने 51,000 रुपये के एक पुरस्कार की घोषणा की है।..... ■

13122	शिक्षा
7343	स्वास्थ्य
5808	सामाजिक
4556	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

"नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय -झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर के 903 जिलों में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा 43045 सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं।"

राष्ट्रीय सेवा भारती के मंत्री डॉ रामकुमार ने चाइल्ड कन्वर्जन फाउंडेशन की 200वीं ई - कार्यशाला को किया संबोधित

डॉ. राम कुमार
मंत्री- राष्ट्रीय सेवा भारती

जिन बच्चों की परवरिश कुटुम्ब के साथ, अपने दादा दादी की अंगुली पकड़कर होता है वे बच्चे बड़े होकर समाज की चिंता करते हैं, समाज के प्रति एक स्वाभाविक दायित्वबोध महसूस करते हैं इसलिए न्यूक्लियर फैमिली की अवधारणा को हमें खारिज करने की आवश्यकता है। यह बात आज राष्ट्रीय सेवा भारती के मंत्री डॉ. राम कुमार ने चाइल्ड कंजर्वेशन फाउंडेशन की 200वीं कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। ई-कार्यशाला में नेपाल सहित 21 राज्यों के बाल अधिकार कार्यकर्ताओं एवं विशेषज्ञ ने भागीदारी की। डॉ. रामकुमार ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों से जुड़े बच्चों के लिए सेवा भारती देश भर में पारिवारिक वातावरण केंद्रित कार्यक्रम चलाता है ताकि ऐसे चिन्हित बच्चे भविष्य में एक जबाबदेह नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि आज एकल परिवार का चलन तेजी से बढ़ा है लेकिन यह भारत की परम्पराओं के अनुरूप नही है। डॉ. राम कुमार ने बच्चों के क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक संगठनों की महती भूमिका है ऐसे सभी संगठनों को समय समय पर अपनी भूमिका का मूल्यांकन करते रहना चाहिए। चाइल्ड कंजर्वेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने कहा कि आज बच्चों के अधिकारों के साथ हमें उनके दायित्वों की चेतना पर भी समान रूप से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 40 साल पहले लोग सरकारी दफ्तरों में रिश्वत लेने से इसलिए डरते थे क्योंकि उन्हें अपने बच्चों की परवरिश में गलत धन डराता था लेकिन आज यह क्रम उल्टा हो गया है इसलिए परवरिश अपने आप मे एक गंभीर चुनौती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि समाज में विकास के साथ नैतिक पतन ने पारिवारिक वातावरण के सामने संकट खड़ा किया है ऐसे में सेवा भारती और सीसीएफ मिलकर इस दिशा में ईमानदारी से काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। फाउंडेशन के सचिव डॉ. कृपाशंकर चौबे ने 200वी ई कार्यशाला तक के सफर पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देश के 21 राज्यों के न अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, इंग्लैंड, नार्वे जैसे देशों से भी प्रतिभागियों ने भाग लिया।

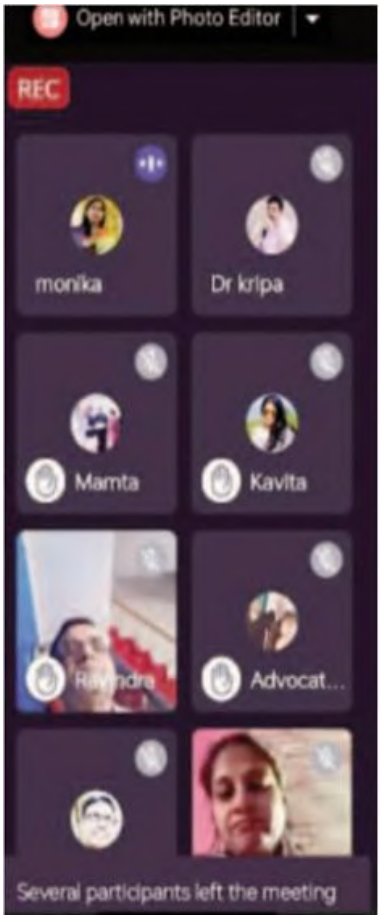

चाइल्ड कंजर्वेशन फाउंडेशन ने देश भर में बच्चों के क्षेत्र में काम करने का एक रिकॉर्ड बनाया है। संगठन ने चार साल के दौरान 200 सप्ताह तक बिना किसी रुकावट के ई-कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के सीनियर वकील, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड से बाल अधिकार कार्यकर्ताओं, राष्ट्रीय एवं प्रदेश के बाल अधिकार संरक्षण आयोगों के अध्यक्ष, प्रतिष्ठित एनजीओ के पदाधिकारियों एवं बाल अधिकार विशेषज्ञ ने देश भर के प्रतिनिधियों को किशोर न्याय एवं बाल विकास की सहायक गतिविधियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रान्त : जम्मू कश्मीर

गंदोह भलेसा 25-04-2024, सेवा भारती ने क्षेत्र के स्थानीय लोगों की उपस्थिति में टीन शीट सौंपी है। यह सहायता दी जा रही है जिनके घर पिछले महीने भारी तूफान और बारिश के कारण नष्ट हो गए थे। गरीब, निराश्रित और जरूरतमंद लोगों को टीन शीट और अन्य आवश्यक वस्तुओं के रूप में सहायता प्रदान की गयी।

प्रान्त : मेरठ

मेरठ के ठाकुरद्वारा जिले के सुरजन नगर खंड में चार दिवसीय एक्यूप्रेशर प्रशिक्षण का वर्ग लगाया। इसमें प्रशिक्षित डॉक्टरों द्वारा खंड के लोगों को एक्यूप्रेशर पद्धति से बीमारियों का इलाज करना सिखाया गया जिससे अपने गरीब वंचित पीड़ित लोगों के बीच जाकर स्वास्थ्य लाभ दिया जा सके। इसी श्रृंखला में 15 लोगों को सुरजन नगर खंड में प्रशिक्षण देकर समाज में स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रमाण पत्र देकर भेजा गया।

प्रान्त : पंजाब

दिनांक 11 अप्रैल 2024 को सेवा भारती की ओर से कुष्ठ रोगियों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकों की टीम द्वारा कुष्ठ रोगियों की जांच की गयी तथा दवा भी वितरण की गयी।

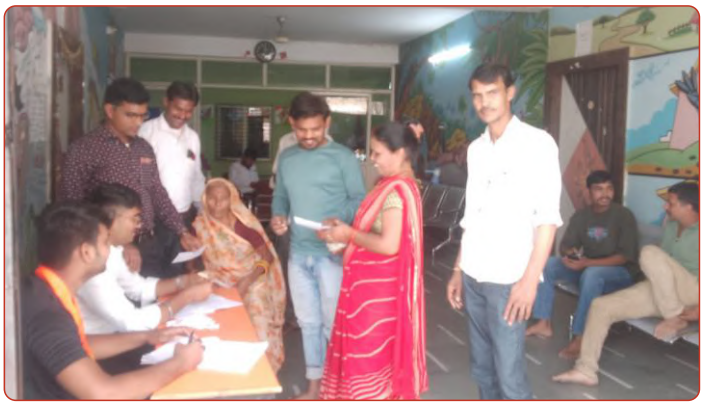

प्रान्त : मालवा

मालवा प्रांत इंदौर विभाग में दिनांक 7 अप्रैल 2024 महर्षि व्यास शाखा की गोद ली हुई सेवा बस्ती व्यास नगर बस्ती में स्वास्थ्य परिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में लाभान्वित कुल संख्या 135 रही जिनमें से 29 रोगियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु अस्पताल ले जाया गया। स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार के साथ साथ रोगियों को लाने व लेजाने की व्यवस्था भी पूर्णतया निःशुल्क थी। शिविर की व्यवस्था में शाखा के 22 कार्यकर्ताओं की भूमिका रही।

प्रान्त : अवध

दिनांक 10 अप्रैल 2024, सेवा भारती अवध प्रांत के द्वारा संचालित हर प्रसाद गुर प्रसाद छात्रावास, लखनऊ का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आदरणीय युद्धवीर जी (क्षेत्र सेवा प्रमुख), मुख्य वक्ता आदरणीय नवल किशोर जी (अखिल भारतीय सहसंयोजक गौ सेवा) उपस्थित रहे। 11 विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई।

प्रान्त : मध्य भारत

सेवा भारती ग्वालियर महानगर के द्वारा आज रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें समाजसेवी कार्यकर्ताओं मने आकर मानव सेवा के लिए रक्तदान किया तथा विभिन्न प्रकार की जांचें भी करवायीं। इस अवसर पर रक्तदान दाताओं के द्वारा 126 यूनिट रक्त दान किया गया।

प्रान्त : पंजाब

सेवा भारती गुरदासपुर द्वारा संचालितश्री दीनानाथ महाजन मैमोरियल फिजियोथैरेपी केंद्र में जरूरतमंद रोगियों के लिए तीन दिन (06 से 08 अप्रैल 2024) तक निःशुल्क कैंप, भारत माता के चित्र के सम्मुख ज्योत जला कर किया गया।

प्रान्त : विदर्भ

दिनांक 11 अप्रैल 2024 को नागपुर, महाराष्ट्र में किशोरी विकास महानगर प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया।

प्रान्त : उत्तर तमिलनाडु

सेवा भारती तमिलनाडु, तमिलनाडु के ग्रामीण, अर्ध-शहरी और पिछड़े क्षेत्रों के स्नातकों (आईटी, कला और विज्ञान के छात्रों) के लिए **"एसआईआरपीआई"** के नाम से तकनीकी कौशल, अंग्रेजी शब्दावली, संचार कौशल में प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, जो नौकरी की तलाश में हैं। आईटी कंपनियों में नौकरी और विभिन्न कंपनियों में नौकरी के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं। पिछले वर्ष, 100 से अधिक छात्रों को इस कार्यक्रम से लाभ हुआ।इस वर्ष के प्रशिक्षण का उद्घाटन कार्यक्रम रविवार, 07 अप्रैल 2024 को जेरूसलम इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर, पल्लीकरनई, चेन्नई में आयोजित किया गया था। श्री प्रशोभा कुमार, प्रांत संयोजक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं श्री सेवा भारती तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष बी. रबू मनोहर ने मुख्य भाषण दिया। आमतौर पर प्लेसमेंट की व्यवस्था की जाती थी और फिर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता था। लेकिन इस वर्ष उस व्यवस्था के साथ-साथ पहले प्रशिक्षण देना और फिर प्लेसमेंट की व्यवस्था करना एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में जोड़ा गया है।

प्रान्त : हरियाणा

सेवा भारती हरियाणा द्वारा दिनांक 17 अप्रैल 2024, दिन बुधवार को राम नवमी के शुभ अवसर पर सेवा भारती के कार्यालय का भूमि पूजन व शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया। सेवा भारती द्वारा पूरे हरियाणा प्रदेश में करीब 600 प्रकल्प सभी वंचित बस्तियों में चल रहे हैं।

प्रान्त : मालवा

सँकरा नेत्र चिकित्सालय,इंदौर में D O A (डिप्लोमा इन ऑफथेलमिक अस्सिस्टेंट) ग्रेजुएशन समारोह सम्पन्न हुआ जिसमें सेवा भारती इंदौर के तत्वावधान में वहाँ ट्रेनिंग ले रही बलिकाओं में से 4 बालिकाओं की नियुक्ति अब स्थायी कर्मचारी के रूप में हो गई है। इस प्रकार वर्तमान में 32 बलिकाओं की यह कोर्स करने के बाद वहीं पर स्थायी नियुक्ति हो गई है। इन्हें प्रथम वर्ष में 15000/- रु मासिक तथा द्वितीय वर्ष में 18000/- रु मासिक वेतन प्राप्त हो रहा है।

प्रान्त : दिल्ली

सेवा भारती दिल्ली द्वारा पहाड़ गंज स्थित बांके बिहारी स्कूल में सौन्दर्य एवं फैशन डिजाइनिंग प्रशिक्षण केंन्द्रो का शुभारंभ किया।

प्रान्त : मध्य भारत

सेवा भारती राजगढ़ के बालगोकुलम पर छात्रगण श्रद्धेय डॉ. भीम राव अम्बेडकर जी की जयंती बहुत हर्षोल्लास से मनाई गयी।

प्रान्त : उड़ीसा पूर्व

दिनांक 28 अप्रैल 2024 बाल संस्कार केंद्र, भुबनेश्वर द्वारा में प्रशिक्षिका प्रशिक्षक वर्ग आयोजित किया गया। वर्ग के मुख्य अतिथि आ. सुधीर कुमार जी अ.भा. संगठन मंत्री एवं जयदेव जी (दादा) अ. भा. छात्रावास प्रमुख उपस्थित रहे।

प्रान्त : पंजाब

सेवा भारती फाजिल्का इकाई द्वारा सेवा संस्कार कार्य को आगे बढ़ाते हुए ग्रामीण क्षेत्र गांव हीरा वाली में नए बाल संस्कार केंद्र का शुभारंभ किया। हवन-यज्ञ उपरांत भारत माता को पुष्पांजलि अर्पित करके केंद्र का शुभारंभ किया गया।

प्रान्त : अवध

दिंनाक 28-04-2024 को सेवा भारती अवध ने राममनोहर लोहिया अस्पताल ब्लड बैंक विभाग के सहयोग से दीनदयाल नगर मानस सिटी में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में रक्तदान किया। प्रत्येक दाता को प्रोत्साहन प्रमाण पत्र दिया गया।

सेवा को तत्पर संघ

मालवा प्रान्त

दिनांक 7 अप्रैल 2024, प्रातः पूणे से नेपाल जा रही यात्री बस में देवास में मक्सी बायपास पर आग लग गयी। बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी एवं यात्रियों का पूरा सामान बस में जल गया। सभी यात्री नेपाल के है, ऐसी कठिन और आपात स्थिति में संघ के स्वयंसेवक सहायता के लिये पहुँच गये एवं यात्रियों के भोजन सहित अन्य सेवा कार्यों में स्वयंसेवकों द्वारा सहयोग किया गया । ये सेवा कार्य संघ के स्वयंसेवकों में सेवा के सहज संस्कार और सर्वसमाज से बंधुत्व के नाते ही संभव है।

मालवा प्रान्त, देवास की मोती बंगला की सेवा बस्ती में दिनाँक 11 अप्रैल को धमाके के साथ सिलेंडर फटने से आग लग गई। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक एवं सेवा भारती के कार्यकर्ता बस्ती में पहुंचे एवं बिना एक क्षण भी व्यतीत करे राहत एवं बचाव कार्य मे जुट गए। आग के प्रसार को रोकने के लिए सर्वप्रथम उक्त बस्ती के अन्य घरों में सिलेंडर थे उन्हें बाहर निकालकर आग से सुरक्षित दूरी तक हटाया। बस्ती के घरों में गृहस्थी के सामानों को बाहर निकाल कर सुरक्षित किया। उस समय सेवा बस्ती के अधिकांश पुरुष एवं वयस्क आजीविका हेतु अपने काम पर गए हुए थे, बस्ती मे सिर्फ बच्चे, महिलांए एवं वृद्ध ही थे। संघ के स्वयंसेवकों एवं सेवा भारती के कार्यर्ताओं ने बच्चों, महिलाओं एवं वृद्धों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। फायर ब्रिगेड एवं राहत वाहनों के लिए मार्ग प्रशस्त कर आग बुझाने में सहायता की।

दिव्यांगों के समर्थ हाथ

सेवासंगिनी ग्रुप, उज्जैन (म. प्र.)

■ सुश्री ममता सांगते

समृद्ध भारत के आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ते हुए कदम को सारा विश्व टकटकी लगाए हुए देख रहा है। वोकल फॉर लोकल की तर्ज पर स्वावलंबी भारत मजबूती से आगे बढ़ रहा है। कुछ कर गुजरने का संकल्प हर मुश्किल आसान कर देता है। आज महिलाओं एवं युवाओं को लोकल फॉर वोकल से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना जरूरी बात बस इतनी है कि उनके अंदर आत्मसम्मान आत्मनिर्भरता को जगाना है, और शासन से जुड़ी छोटी-छोटी योजनाओं को उन तक पहुंचाना है। उनको बताना है कि भारत सरकार ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए बहुत सारी छोटी-छोटी योजनाएं चालू की है। उनका लाभ लेकर वह अपना छोटा छोटा व्यवसाय शुरू कर सकेंगे और ऐसे ही शासन की छोटी-छोटी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए संकल्प लिया है।

सेवा भारती उज्जैन मध्य प्रदेश की सहयोगी संस्था **"संगिनी ग्रुप"** ने संकल्प लिया है। इस ग्रुप ने समाज के बेरोजगार दिव्यांग भाई बहनों को छोटे-छोटे रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बना रहा है। अभावग्रस्त बस्ती में पापड़, बड़ी, चटनी, अचार मुरब्बे, सिलाई, होम डेकोरेशन, ब्यूटी पार्लर जैसे काम सिखा कर उनको रोजगार से जोड़ा जा रहा है। बस्ती के दो दिव्यांग भाई जिनको समाज के सहयोग से ठेला गाड़ी दिला कर रोजगार उपलब्ध कराया गया है। दीपक जटवा उसका उदाहरण है। कोरोना काल में अपना सब कुछ खो चुके दीपक ने जीवन से उम्मीद छोड़ दी थी। वह हताश व बेबस हो गया था। सोच नहीं पा रहा था कि क्या करें और क्या ना करें। ऐसे में संगिनी ग्रुप ने दीपक का हाथ थामा और दीपक को समाज के सहयोग से ठेला गाड़ी दिला कर उसको सामान दिला कर रोजगार से जोड़ा। आज दीपक अपने परिवार के साथ अच्छा जीवन जी रहा है। उसके परिवार में कुल छः सदस्य हैं; उसके माता-पिता, पत्नी और दो बच्चे। ऐसे ही चार बहने रेनू, नेहा, संजू और वैशाली इन्हें भी शासन की योजनाओं से जोड़कर छोटे लघु उद्योग शुरू करवाए गए। आज ये बहने भारत के बड़े-बड़े व्यापार मेलों में अपना व्यवसाय कर देश में नाम कमा रही हैं। उज्जैन का संगिनी ग्रुप आत्मनिर्भर भारत, समृद्ध भारत बनाने में छोटे से परिंदे की तरह सहयोग कर रही है।

दैनिक योग केंद्र
उत्कल बिपन्न सहायता समिति, भुवनेश्वर,

सरकारी विद्यालय में सेवा भारती, पंजाब द्वारा कॉपी, पेंसिल , पुस्तक वितरण किया गया

करनाल में किशोरी विकास केन्द्र का शुभारंभ हुआ

सेवा भारती अनूपगढ द्वारा सेवा बस्तियों की 251 कन्याओं का सामूहिक कन्या पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

सेवा भारती जम्मू एवं NMO द्वारा छात्रावास स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया

जोधपुर प्रान्त के डीडवाना जिला में किशोरी विकास केन्द्र का शुभारंभ हुआ

कार्यालय पता:
राष्ट्रीय सेवा भारती
BD-37, गली न.14, फैज़ रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली -110005

वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618,
मोबाइल न. 09868245005